



डॉ. भीमराव अम्बेडकर विधि विश्वविद्यालय, जयपुर

क्रमांक प.4(3)परीक्षा-आयोजन/अधिनियम/2023-24/ ९४०२ दिनांक:- १७. ८. २०२३.

आवश्यक सूचना

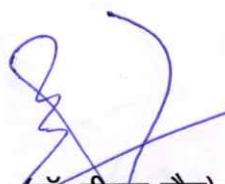
डॉ. भीमराव अम्बेडकर विधि विश्वविद्यालय, जयपुर के विधि पाठ्यक्रमों की परीक्षायें राजस्थान राज्य स्थित विभिन्न परीक्षा केन्द्रों पर संचालित हैं। विश्वविद्यालय में नकल व अनुचित साधनों के प्रयोग की रोकथाम के लिए राज्य सरकार द्वारा पारित “सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम 1992” प्रभावी है। इस अधिनियम के अन्तर्गत परीक्षा केन्द्रों पर नकल/अनुचित साधनों का प्रयोग करने वाले परीक्षार्थियों व इस कार्य में सहयोग करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध इस अधिनियम के अन्तर्गत कार्यवाही करने को विश्वविद्यालय व परीक्षा केन्द्राधीक्षक सक्षम होंगे। नकल/अनुचित साधनों के प्रयोग करने वाले परीक्षार्थियों/व्यक्तियों को इस अधिनियम के तहत तीन वर्ष तक का कारावास या नियत राशि तक जुर्माना या दोनों दण्ड एक साथ दिये जा सकते हैं। साथ ही विभिन्न सार्वजनिक भर्ती परीक्षाओं में बैठने से भी परीक्षार्थी/व्यक्ति को रोका जा सकता है। परीक्षा केन्द्र पर पकड़े गये अनुचित साधनों के सभी मामलों पर परीक्षा केन्द्राधीक्षक विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार प्रथम सूचना रिपोर्ट पुलिस में दर्ज कराने की कार्यवाही करेंगे।

एतदर्थ सभी परीक्षार्थियों/व्यक्तियों को सलाह दी जाती है कि वे परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा के दौरान नकल/अनुचित साधनों का प्रयोग ना करें।

समस्त परीक्षार्थी सचेत रहें कि अनुचित साधनों के प्रयोग की रोकथाम के लिए विश्वविद्यालय परीक्षा केन्द्रों पर आकस्मिक/औचक निरीक्षण करने के लिए विश्वविद्यालय की ओर से उड़नदस्तों का गठन किया गया है। आकस्मिक/औचक निरीक्षण के दौरान विभिन्न परीक्षा केन्द्रों से अनुचित साधनों के प्रयोग के प्रकरण दर्ज हो रहे हैं। जिन पर उक्त अधिनियम के प्रावधानुसार विश्वविद्यालय में अंगीकृत नियमानुसार कार्यवाही की जावेगी।

अतः समस्त परीक्षार्थियों व व्यक्तियों को पुनः सलाह दी जाती है कि वे किसी भी प्रकार के अनुचित साधनों के प्रयोग से बचें व अपनी परीक्षा पूर्ण निष्ठा एवं ईमानदारी से देवें।

शुभकामना सहित !



(डॉ. नीरज जैन)
परीक्षा नियंत्रक